पटना में गुरुवार को नौ शहरों की जलापूर्ति और सिवेज ट्रीटमेंट योजना का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। साथ में हैं उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, नगर विकास मंत्री प्रेम कुमार और खाद्य मंत्री श्याम रजक। • फोटो : अरुण अभि

हब के रूप में विकसित होंगे शहर

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

चकाचक होंगे राज्य के शहर। गुरुवार को नौ शहरों की जलापूर्ति और सिवेज ट्रीटमेंट योजना का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि तीन-चार साल के भीतर शहरों की सूरत ऐसी बदलेगी, जिसे लोग महसूस कर सकेंगे। ठीक वैसे जैसे कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार को महसूस किया जा रहा है। अब भय का माहौल नहीं है। इसी तरह गंगा को भी प्रदूषणमुक्त करना हमारा लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में शहरों का अनियंत्रित विकास हुआ है। पटना का ही बेतरतीब फैलाव हो रहा है। लोग गड्ढों में भी घर बना लेते हैं। जब पटना ही ठीक नहीं है, तो अन्य शहरों की क्या बात...। पटना के लिए व्यापक योजना बनानी पड़ेगी। हम मुजफ्फरपुर, दरभंगा, गया और भागलपुर समेत सभी शहरों को भी ऐसा

योजना का शुभारंभ

- शहरों का अनियंत्रित विकास एक बड़ी चुनौती : नीतीश
- नौ शहरों की जलापूर्ति और सिवेज ट्रीटमेंट योजना का शुभारंभ
- 617 करोड़ की योजना, 28 शहरों का सिटी डेवलपमेंट प्लान तैयार

बनायेंगे, जिससे किसी को शिक्षा, व्यवसाय और उद्योग-धंधे के लिए पटना नहीं आना पड़े। शहरों को हब के रूप में विकसित किया जायेगा। हमारी पूरी कोशिश है कि शहरों का विकास दुरुस्त तरीके से हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा को प्रदूषणमुक्त बनाना हमारा दायित्व है। यह जीवनदायिनी नदी है। गंगा को स्वच्छ रखने के लिए नालों का पानी गिराने से रोकना होगा। सिवेज ट्रीटमेंट योजना से इसमें मदद मिलेगी।

उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू शहरी विकास योजना (नुरूम) अपने लक्ष्य में सफल नहीं हो पायी। अब नुरूम फेज 2 योजना शुरू हो रही है? केन्द्र सरकार को इसमें ईशर अहलुवालिया कमेटी की सिफारिशों को शामिल करना चाहिए। नगर विकास मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि नौ शहरों में जलापूर्ति और सिवेज ट्रीटमेंट के लिए 617.23 करोड़ रुपये की योजना शुरू की गयी है। इसके दायरे में गंगा तट पर बसे अन्य शहरों को लाया जायेगा। राज्य के 139 शहरी निकायों में से 28 का सिटी डेवलपमेन्ट प्लान तैयार हो रहा है। कार्यक्रम में विधान परिषद के सभापति ताराकान्त झा, खाद्य मंत्री श्याम रजक, खनन मंत्री सत्यदेव नारायण आर्य, विधायक नित्यानन्द राय, आशा सिन्हा, विकास आयुक्त के.सी.साहा, नगर विकास प्रधान सचिव शशिशेखर शर्मा और मुख्यमंत्री के सचिव चंचल कुमार आदि मौजूद थे।

देखें पेज-02 भी